मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 142, मुंबई, बुधवार, 12 अगस्त, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

अलविदा... राहत साहब!

सुपुर्द-ए-खाक हुए मशहूर शायर राहत इंदौरी

हार्ट अटैक से हुआ निधन

एक ही नदी के हैं ये दो किनारे दोस्तों दोस्ताना ज़िंदगी से मौत से यारी रखो

संवाददाता

इंदौर। मशहूर शायर राहत इंदौरी को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया है। उनका दिल का दौरा पड़ने से मंगलवार को निधन हो गया। वे कोरोना वायरस से भी संक्रमित थे, जिसके उपचार के लिए उन्हें मध्य प्रदेश के इंदौर में 9 अगस्त की देर रात श्रीअरबिंदो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। राहत इंदौरी के निधन पर कई बड़ी हस्तियों ने शोक जताया है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी उनके निधन पर शोक व्यक्त किया। राहत इंदौरी ने खुद भी कोरोना संक्रमित होने की जानकारी ट्विटर के जरिए साझा की थी। उन्होंने लिखा था, 'कोविड के शुरूआती लक्षण दिखाई देने पर कल मेरा कोरोना टेस्ट किया गया, जिसकी रिपोर्ट पॉज़िटिव आई है। ऑरबिंदो हॉस्पिटल में एडमिट हूं, दुआ कीजिये जल्द से जल्द इस बीमारी को हरा दूं। (शेष पृष्ठ 3 पर)

शायर राहत इंदौरी कोरोना वायरस पॉजिटिव पाए गए थे. उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था. राहत ने ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी थी.

॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI

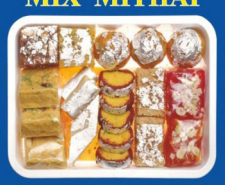

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले

MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

कोविड-19 को दोबारा बढ़ने से रोकने के प्रयास जारीः ठाकरे

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

संजय दत्त को स्टेज 3 का लंग कैंसर

इलाज के लिए अमेरिका हुए रवाना, मंगलवार दोपहर में कहा था फिल्मों से ले रहा हूं ब्रेक

8 अगस्त को सांस लेने में तकलीफ के बाद हॉस्पिटल में हुए थे भर्ती

संवाददाता

मुंबई। अभिनेता संजय दत्त स्टेज 3 के फेफड़ों के कैंसर से पीड़ित हैं। मंगलवार रात को संजू के एक करीबी दोस्त ने इस बात का खुलासा किया है। संजय दो दिन पहले ही लीलावती हॉस्पिटल में भर्ती हुए थे, जब उन्हें सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। इसके बाद उनका कोरोना टेस्ट लिया गया जो निगेटिव आया था। (शेष पृष्ठ 3 पर)

लंग कैंसर की स्टेज-3 कितनी खतरनाक

खबर के मुताबिक संजय दत्त लंग कैंसर की थर्ड स्टेज से गुजर रहे हैं जो जानलेवा मानी जाती है। डॉक्टरों के मुताबिक लंग कैंसर दो प्रकार के होते हैं- स्मॉल सेल कैंसर और नॉन स्मॉल सेल कैंसर। स्मॉल सेल लंग कैंसर तेजी से फैलता है जबकि नॉन स्मॉल सेल लंग कैंसर, स्मॉल सेल लंग कैंसर के मुकाबले कम तेजी से फैलता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

अंडमान से जुड़ाव

अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के साथ भारत की मुख्य भूमि का साइबर जुड़ाव मजबूत होना आवश्यक और स्वागतयोग्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल चेन्नई व पोर्ट ब्लेयर को जोड़ने वाले 2,312 किलोमीटर लंबे ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) तंत्र का उद्घाटन किया है। इस केबल तंत्र में कई तरह की मशीनें शामिल हैं, जिनसे भारत का साइबर ढांचा बहुत मजबूत हो गया है। इससे पूरे अंडमान-निकोबार में मोबाइल, इंटरनेट की सेवा गुणवत्ता में बहुत बढ़ोतरी हो जाएगी। उच्च गति की ऐसी ब्रॉडबैंड सेवा भी नसीब होगी, जिससे देश का यह हिस्सा अभी तक वंचित था। अव्वल तो इंटरनेट की न्यूनतम गति के कारण अंडमान-निकोबार में किसी का ठहरना आसान नहीं था, क्योंकि बिना इंटरनेट के आजकल पर्यटक कहीं नहीं रुकते। अब वहां पर्यटक तो रुक पाएंगे ही, कारोबारियों को भी वहां रुककर विकास परियोजनाओं को साकार करने में मदद मिलेगी। वहां रोजगार सृजन में तेजी आएगी। लगभग 1,224 करोड़ रुपये की लागत से यह केबल तंत्र स्थापित किया गया है, लेकिन समय और जरूरत को देखते हुए यह खर्च ज्यादा नहीं है। जिस गति से भारत के आसपास नौसैनिक हलचल बढ़ी है, जिस तरह से चीन हमें घेरने की कोशिश में है, हमें अपने तमाम द्वीपों को सुरक्षित करना ही होगा। अंडमान-निकोबार में कुल 572 द्वीप हैं, जिनमें से 37 द्वीपों पर ही मानव बस्ती है। इनमें से कुछ द्वीपों पर दुर्लभ नस्ल के आदिवासियों की बसावट बताई जाती है, जहां शोधकताओं के अतिरिक्त किसी को जाने की इजाजत नहीं है। पर तब भी अंडमान-निकोबार में करीब 12-15 द्वीप ऐसे हैं, जहां मानव आबादी ठीकठाक तादाद में है और वहां इंटरनेट सेवा विस्तार से कायाकल्प की संभावना है। केबल बिछाना सुरक्षा और विकास, दोनों ही दृष्टि से जरूरी था और यह काम पहले ही हो जाना चाहिए था। जिन द्वीपों पर बड़े उद्योग स्थापित नहीं हो सकते, वहां आईटी सेवाओं का विकास ज्यादा जरूरी है, ताकि पर्यावरण को ज्यादा नुकसान पहुंचाए बिना वहां आर्थिक गतिविधियां तेज हो सकें। युवाओं को समय के हिसाब से प्रशिक्षण व रोजगार मिल सकें। खास यह भी कि केबल बिछाने की परियोजना को भारत संचार निगम लिमिटेड ने अंजाम दिया है। केबल बिछाने से न केवल हमारा द्वीप समूह, बल्कि हम स्वयं पहले से अधिक सशक्त व सुरक्षित हुए हैं। जिस तरह से अंडमान-निकोबार में इंटरनेट की स्पीड बढ़ाने की कोशिश हुई है, ठीक इसी तरह की कोशिश पूरे देश में करने की जरूरत है। भारत को भले ही सूचना प्रौद्योगिकी के लिए जाना जाता हो, पर यहां इंटरनेट स्पीड बहुत कम है। विज्ञान में अग्रणी देश भारत इंटरनेट स्पीड के मामले में दुनिया के टॉप 100 देशों में भी शामिल नहीं है। हमारे यहां 4जी की स्पीड पाकिस्तान, म्यांमार और श्रीलंका से भी कम है। 66 करोड़ उपभोक्ताओं के आधार के बावजूद भारत में 4जी डाटा स्पीड 6.9 से 9.5 एमबी प्रति सेकंड है, जबकि विश्व में डाटा स्पीड का औसत 34 से 35 एमबी प्रति सेकंड है। चीन में 4जी डाटा डाउनलोड स्पीड 103 से 105 एमबी प्रति सेकंड है। अतः इंटरनेट स्पीड में भारत को लंबा रास्ता तय करना है। हमारे यहां स्पेक्ट्रम महंगे हैं और निजी कंपनियां आर्थिक तंगी की वजह से मशीनरी पर खर्च कम कर रही हैं। बेशक, इस दिशा में सरकार को युद्ध स्तर पर पहल करनी चाहिए।

बदलनी होंगी स्वास्थ्य क्षेत्र की प्राथमिकताएं

कोविड-19 महामारी का असर कम होता नहीं दिख रहा है। पिछले कुछ दिनों से देश भर में करीब साठ हजार कोरोना मरीज प्रतिदिन सामने आ रहे हैं। नमन है उन डॉक्टरों को जो महामारी का रूप धारण कर चुकी इस बीमारी से लड़ने में लगे हुए हैं। इस बीमारी को फैलाने वाले कोरोना वायरस का टीका और साथ ही कोई सटीक दवा उपलब्ध न होने के कारण समस्या बढ़ रही है। चूंकि इस महामारी के खिलाफ लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता ही कारगर साबित हो रही है इसलिए उसे बढ़ाने वाले उपायों पर जोर दिया जाना चाहिए। कोई रोग और खासकर संचारी रोग फैलने के बाद उसका उपचार करने से बेहतर है कि रोग को फैलने ही न दिया जाए। यह तब संभव होगा जब जनता की रोग प्रतिरोधक क्षमता में सुधार किया जाए। इसके लिए स्वास्थ्य पर होने वाले खर्च की विषमता पर ध्यान दिया जाना आवश्यक है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी एक आंकड़े के अनुसार वर्ष 2015-16 में सरकारी कर्मियों के उपचार पर 9,134 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जिससे 31 लाख कर्मी लाभान्वित हुए। उनके परिवार को भी गिन लें तो 1.5 करोड़ लोग लाभान्वित हुए। इन पर 61,007 रुपये प्रति व्यक्ति सरकार ने खर्च किए। इसकी तुलना में आम जनता पर सरकार द्वारा 38,794 करोड़ रुपये खर्च किए गए। इस हिसाब से प्रति व्यक्ति केवल 296 रुपये का खर्च किया गया। सरकार द्वारा किए गए स्वास्थ्य खर्च में आम आदमी की तुलना में सरकारी कर्मियों पर अधिक खर्च किया जा रहा है। विचारणीय प्रश्न यह है कि सेवक पर अधिक और सेवित पर न्यून खर्च क्यों? वर्ष 2020-21 के बजट में एलोपैथी के लिए केंद्र सरकार द्वारा 63,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए, जबकि आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी आदि आयुष पद्धतियों के लिए केवल 2,100 करोड़ रुपये दिए

गए। ये पद्धतियां उपचार कम और संपूर्ण स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देती हैं जबकि एलोपैथी उपचार पर केंद्रित रहती है। उच्च तकनीक के उपचार जैसे हृदय में स्टंट डालना इत्यादि पर कहीं अधिक पैसा खर्च हो रहा है।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी के एम गोविंद राव द्वारा प्रकाशित एक पत्र के अनुसार उच्च तकनीक वाले उपचार पर सरकार का 28 प्रतिशत खर्च होता है, जबकि सरकार द्वारा ही प्रकाशित राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के अनुसार यह मात्र दस प्रतिशत होना था। इन दोनों विसंगतियों यानी एलोपैथी और उच्च तकनीक वाले उपचार में अधिक खर्च किए जाने के पीछे ऐसा लगता है कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों के स्वार्थ इन खर्चों से पोषित होते हैं। एक धारणा है कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों के हितों को साधने के लिए एलोपैथी में और उसमें भी उच्च तकनीक वाले उपचार पर ज्यादा पैसे खर्च किए जा रहे हैं। जो भी हो, यह एक समस्या तो है ही कि बजट का एक बड़ा हिस्सा सरकारी कर्मियों के वेतन में खप जाता है। गोविंद राव के अनुसार मध्य प्रदेश और ओडिशा में बजट का 83 प्रतिशत कर्मियों के वेतन में व्यय हो जाता है, जबकि स्वास्थ्य कर्मियों के पास दवा नहीं रहती और स्वास्थ्य व्यवस्था निष्प्रभावी नजर आती है। इन समस्याओं के निवारण के लिए सरकार को तीन कार्य करने चाहिए। नीति आयोग के सलाहकार राकेश सरवाल के अनुसार केंद्र सरकार के कर्मियों के लिए चलाई जा रही सेंट्रल गवर्नमेंट हेल्थ सर्विस को सर्वव्यापी स्वास्थ्य सेवा में परिवर्तित कर देना चाहिए, ताकि आम जनता को केंद्र सरकार के कर्मियों जैसी स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध हो। दूसरा काम यह किया जाना चाहिए कि एलोपैथी एवं उच्च तकनीक वाले उपचार के आवंटन में कटौती करके सामान्य उपचार पर खर्च बढ़ाना चाहिए। तीसरा कार्य यह होना चाहिए कि सरकारी कर्मियों के वेतन और दवा के खर्च में एक अनुपात निर्धारित कर देना चाहिए। कोविड-19 के साथ-साथ अन्य रोगों का सामना करने में पहला विषय टीकाकरण का है। समस्या यह है कि कोरोना वायरस अपना रूप शीघ्र बदल रहा है। यदि इसे रोकने के लिए हमने टीका बना भी लिया तो कल वह उपयोगी होगा, इसकी गारंटी नहीं है। एक समस्या यह भी है कि हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था टीकाकरण में लचर है। गोविंद राव के अनुसार दक्षिण अमेरिका में चेचक के टीके से केवल 7 फीसद बच्चे वंचित रहते हैं, जबकि भारत में करीब 30 फीसद वंचित रह जाते हैं। इसलिए टीकाकरण से हम कोविड जैसे संक्रामक रोगों को रोक सकेंगे, इस पर संदेह है।

प्रतिरोधक क्षमता का संबंध लोगों की जीवनशैली से है। यदि लोग रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि करने वाले खाद्य पदार्थों का सेवन करें और इसके साथ ही ध्यान, योग, व्यायाम करें तो हालात बदल सकते हैं। सरकार ने आयोडीन युक्त नमक और नवजात शिशुओं को माताओं द्वारा स्तनपान कराए जाने के सफल अभियान चलाए हैं। इसी प्रकार उसे बेहतर जीवन शैली अपनाने का अभियान चलाना चाहिए। तीसरा विषय सामाजिक है। उत्तर प्रदेश सरकार की वेबसाइट पर वैद्य वाचस्पति त्रिपाठी के हवाले से बताया गया है कि नदी में तमाम श्रद्धालुओं के स्नान करने से उनके शरीर में विद्यमान विभिन्न रोगों के बैक्टीरिया एवं वायरस नदी के पानी में सूक्ष्म मात्रा में फैल जाते हैं। दूसरे स्वस्थ व्यक्ति जब उसी पानी में स्नान करते हैं तो ये बैक्टीरिया और वायरस उनके शरीर में प्रवेश करते हैं और रोगों के प्रति उनकी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। चूंकि कोरोना वायरस के सामुदायिक फैलाव की आशंका बढ़ रही है इसलिए प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के उपायों पर ध्यान दिया ही जाना चाहिए। आयुष मंत्रालय की सहमति से सरकार उन उपायों की व्यवस्था कर सकती है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत करने में सहायक हों। जैसा कि ऊपर बताया गया कि 2015-16 में केंद्र सरकार द्वारा आम जनता पर 38,794 करोड़ रुपये खर्च किए गए। टीकाकरण, जांच इत्यादि में मात्र 12 हजार करोड़ रुपये खर्च किए गए। इसका मतलब है कि रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले उपायों पर लगभग 30 प्रतिशत खर्च किया जा रहा है। इसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत करना चाहिए। ऐसा करने से जनता की सभी रोगों से लड़ने की क्षमता का विस्तार होगा। इस सुझाव को लागू करने में समस्या बहुराष्ट्रीय कंपनियों का स्वार्थ है। सरकार को सोचना होगा कि वह बहुराष्ट्रीय कंपनियों के मेडिकल उत्पादों की बिक्री से जीडीपी बढ़ाएगी अथवा जनता को रोगमुक्त बनाकर? उसे अपनी प्राथमिकता तय करनी चाहिए, क्योंकि सेहत का सीधा संबंध आर्थिक विकास से है।

भारत और आसियान के मध्य हुआ मुक्त व्यापार समझौता

भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री ने कुछ दिनों पहले स्पष्ट रूप से कहा है कि भारत और आसियान के मध्य मुक्त व्यापार समझौते की समीक्षा से द्विपक्षीय व्यापार के दोगुना हो जाने की संभावना व क्षमता है। भारत सरकार का पक्ष रखते हुए यह भी कहा गया कि आसियान के साथ ई-कॉमर्स, फिनटेक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में गठजोड़ की बड़ी संभावनाएं हैं जिनका उपयोग पारस्परिक लाभ के लिए किया जा सकता है। भारत का कहना कि दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों के संगठन आसियान से उसने कई बार निवेदन किया है कि दोनों के बीच एफटीए की समीक्षा के लिए आसियान तैयार हो क्योंकि इससे आसियान तो लाभ में है पर भारत व्यापार असंतुलन का सामना कर रहा है। भारत का मानना है कि आसियान भारतीय हितों के संबंध में

निष्ठुर बना है। भारत का मानना है कि आसियान देशों में से कुछ देश भारत के साथ व्यापार में चीनी वस्तुएं भेजकर भारतीय हितों को प्रभावित कर रहे हैं। चूंकि आसियान ने चीन के साथ खुद मुक्त व्यापार समझौता कर रखा है और म्यांमार जैसे देशों ने द्विपक्षीय स्तर पर चीन के साथ एफटीए कर रखा है, इस आधार पर भारत की चिंताओं और आशंकाओं को खारिज नहीं किया जा सकता है। आसियान का कहना है कि वह भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते के रिव्यू के लिए तब सहमत होगा जब भारत आसियान सहित 16 सदस्यीय रीजनल कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप (आरसीईपी) से जुड़ जाए। भारत ने इन 16 देशों में से 12 के साथ अपने व्यापार असंतुलन को देखते हुए इससे बाहर रहने का निर्णय किया था। हालांकि कंबोडिया और फिलीपींस ने भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौता करने में रुचि दिखाई है और इसका प्रस्ताव किया है। भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रलय के वाणिज्य विभाग के नए आंकड़ों की तरफ देखें तो पता चलता है कि भारत और आसियान समूह के बीच वर्ष 2016-17 में 71.57 अरब, 2017-18 में 81.33 अरब, 2018-19 में 96.79 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार था।

कोविड-19 को दोबारा बढ़ने से रोकने के प्रयास जारी: ठाकरे

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आहूत एक बैठक में कहा कि राज्य सरकार पूरी कोशिश कर रही है कि प्रदेश में कोविड-19 का दोबारा प्रकोप न फैल जाए। आधिकारिक बयान के अनुसार, ठाकरे ने यह भी कहा कि महामारी उन्मूलन के लिए राज्य के प्रत्येक जिले में अस्पताल बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र ने कोरोना वायरस संक्रमण या संक्रमण हुई मौत का एक भी मामला नहीं छुपाया है और पूरी पारदर्शिता के साथ आंकड़े साझा किए हैं। मोदी ने गुजरात, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, पंजाब, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, तमिलनाडु, बिहार और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कांफ्रेंस पर बात कर कोविड-19 से निपटने के उपायों की समीक्षा

की। बयान के अनुसार, बैठक में प्रधानमंत्री ने कोविड-19 से होने वाली मौतों का दर एक प्रतिशत से भी कम करने की जरुरत पर बल दिया। बयान के अनुसार, ठाकरे ने कहा, राज्य में मृत्यु दर को कम किया जा रहा है और मुंबई के धारावी और वर्ली में हालात नियंत्रित करने लिए तारीफ हो रही है। उन्होंने कहा, लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। प्रयास जारी हैं कि राज्य में कोविड-19 दोबारा सर ना उठा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसा देखा गया है कि कोरोना वायरस संक्रमण से मुक्त होने के बाद उन लोगों को अन्य संक्रमण हो गया, ऐसे लोगों के इलाज के लिए तंत्र तैयार किया जाना चाहिए। उन्होंने अलग-अलग तरह के वायरस कैसे और कहां से आते हैं, यह पता लगाने के लिए अनुसंधान पर भी जोर दिया। ठाकरे ने गैर-पेशेवर पाठ्यक्रमों के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा नहीं लेने की बात भी दोहरायी ताकि उनके जीवन को खतरे में ना डाला जाए। उन्होंने कहा कि राज्य में 3.5 लाख बिस्तर ऐसे हैं जिनमें वेंटिलेटर और अन्य उपकरण जुड़े हुए हैं। इस बैठक में केन्द्रीय मंत्रियों राजनाथ सिंह, निर्मला सीतारमण और हर्षवर्धन ने भी भाग लिया। इसमें महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने भी हिस्सा लिया।

ओएनजीसी के 31 कर्मचारी कोविड-19 से संक्रमित

संवाददाता

मुंबई। मुंबई के निकट अपतटीय केन्द्र में कार्यरत तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) के 91 कर्मचारियों में से 31 कोरोना वायरस से संक्रमित पाये गये हैं। नगर निकाय के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जी उत्तरी वार्ड के सहायक नगर आयुक्त किरण दिघावकर ने बताया, इन 31 कर्मचारियों ने केन्द्र में 15 दिन बिताये थे। माहिम में एक अस्पताल में ये कर्मचारी कोरोना वायरस से संक्रमित पाये गये हैं। उन्होंने बताया कि बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के दिशा-निर्देशों के अनुसार ओएनजीसी के 31 कर्मचारियों के मामलों को उपनगरीय माहिम के मामलों के आंकड़ों में जोड़ दिया है।

पीएनबी घोटाला: नीरव मोदी के बेटे की याचिका का ईडी ने किया विरोध

मुंबई। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले में आरोपी नीरव मोदी के बेटे रोहिन ने बॉम्बे हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की है। इसमें रोहिन ने दावा किया है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से संपत्ति जब्त करने को लेकर की गई कार्रवाई को नियमों के विपरीत है। ईडी ने नीरव मोदी की जो सपंत्ति जब्त की है, वह उसके नाम पर है। हाई कोर्ट में नीरव मोदी के बेटे के दावे का प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विरोध किया है। ईडी की तरफ से पैरवी करते हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल अनिल सिंह ने

कहा कि ईडी ने नीरव मोदी की अपराध की कमाई से खड़ी की गई संपत्ति को जब्त किया है। इसीलिए ईडी की तरफ से की गई कार्रवाई न्याय संगत है। रोहिन ने याचिका में दावा किया है कि संपत्ति जब्त करने में नियमों का पालन नहीं किया गया है। ईडी ने जो संपत्ति जब्त की हैं वह उसके ट्रस्ट के नाम पर है। इसलिए संपत्ति की नीलामी नहीं की जाए, उसे यथावत रखने का निर्देश दिए जाएं। पिछले महीने विशेष अदालत ने भगौड़ा आर्थिक अपराधी कानून के तहत ईडी के आवेदन पर नीरव मोदी की संपत्ति जब्त करने की अनुमति दी थी।

(पृष्ठ 1 का शेष)

अलविदा... राहत साहब!

एक और इल्तेजा है, मुझे या घर के लोगों को फोन ना करें, मेरी खैरियत ट्विटर और फेसबुक पर आपको मिलती रहेगी।' गौरतलब है कि राहत इंदौरी मशहूर शायर रहे। साथ ही वह बॉलीवुड के लिए भी कई गाने लिखते आए हैं। राहत की उम्र 70 साल थी, ऐसे में उन्हें डॉक्टरों की सलाह पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 1 जनवरी 1950.. वह दिन रविवार का था, जब रिफअत उल्लाह साहब के घर राहत साहब की पैदाइश हुई। इस्लामी कैलेंडर के मुताबिक, ये 1369 हिजरी थी और तारीख 12 रबी उल अव्वल थी। राहत साहब के वालिद रिफअत उल्लाह 1942 में सोनकछ देवास जिले से इंदौर आए थे। राहत साहब का बचपन का नाम कामिल था। बाद में इनका नाम बदलकर राहत उल्लाह कर दिया गया। राहत साहब का बचपन मुफलिसी में गुजरा। वालिद ने इंदौर आने के बाद ऑटो चलाया। मिल में काम किया। लेकिन उन दिनों आर्थिक मंदी का दौर चल रहा था। 1939 से 1945 तक दूसरे विश्वयुद्ध का भारत पर भी असर पड़ा। मिलें बंद हो गईं या वहां छंटनी करनी पड़ी। राहत साहब के वालिद की नौकरी भी चली गई। हालात इतने खराब हो गए कि राहत साहब के परिवार को बेघर होना पड़ गया था।

संजय दत्त को स्टेज 3 का लंग कैंसर

अब जब यह खबर सामने आई है तो वे इलाज के लिए अमेरिका रवाना हो चुके हैं। इससे पहले संजय ने दोपहर में इंस्टाग्राम पर पोस्ट करके फिल्मों से ब्रेक लेने की जानकारी दी थी। संजय दत्त ने रिपोर्ट्स आने के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया था। जिसमें वे अपने काम से शॉर्ट ब्रेक लेने की बात कह रहे थे। पोस्ट में लिखा था- दोस्तों, मैं मेडिकल ट्रीटमेंट्स के लिए काम से एक छोटा सा ब्रेक ले रहा हूं। मेरा परिवार और दोस्त मेरे साथ हैं। मैं अपने सभी शुभचिंतकों से निवेदन करता हूं कि वे बिल्कुल भी चिंता न करें। साथ ही अनावश्यक रूप से अटकलें भी ना लगाएं। आपके प्यार और शुभकामनाओं से मैं जल्द ही वापस आऊंगा। बॉलीवुड हंगामा की एक खबर के अनुसार संजय के दोस्त ने यह खुलासा किया है। उन्होंने कहा- बाबा तबाह हो गया है। उसके छोटे-छोटे बच्चे हैं। वे अभी अपनी मां के साथ दुबई में हैं। लेकिन इस भयानक खबर को सुनना उनके लिए बहुत मुश्किल होगा। मुंबई के लीलावती अस्पताल में संजय दत्त के कई सारे टेस्ट हुए जिनकी रिपोर्ट मंगलवार को आई। संजय दत्त के परिवार में पहले भी कैंसर होने की इतिहास रहा है। संजय की मां नरगिस को भी पैंक्रियाटिक कैंसर था। जो 1981 में संजय की फिल्म रॉकी की रिलीज से 3 दिन पहले ही दुनिया से अलविदा कह गई थीं। 29 जुलाई, 1959 को मुंबई में जन्में संजय ने 12 दिन पहले ही अपना 61वां जन्मदिन मनाया है। वे दिवंगत अभिनेता सुनील दत्त और अभिनेत्री नरगिस के इकलौते बेटे हैं। संजय ने तीन शादियां कीं है। उन्होंने तीसरी शादी 2008 में मान्यता से की, जिनसे उनके 2 जुड़वां बच्चे शाहजान और इकरा हैं।

राजस्थान हलचल

जमीअत उलमा बीकानेर के सहयोग से छठा प्लाज्मा सरबाज हसनैन ने डोनेट किया

संवाददाता/सैय्यद अल्ताफ हुसेन

बीकानेर राजस्थान। 11 अगस्त को फिर जमीअत उलमा बीकानेर के सहयोग से आज छठा प्लाज्मा सरबाज हसनैन ने डोनेट किया। जमीअत उलमा बीकानेर के महासचिव मौलाना मोहम्मद इरशाद कासमी ने हसनैन के जज्बे को सराहा और कहा कि हसनैन जब सुपर स्पेशलिटी में एडमिट थे तो उस वक़्त भी कोरोना के मरीजों की हौसला अफजाई और उनकी खूब खिदमत की और यह बताया कि कैसे बीमारी से निडर होकर लड़ा जा सकता है, आज फिर उन्होंने प्लाज्मा डोनेट करके अपने जज्बे को फिर दोहराया जो वाकई काबिले तारीफ है, हम हसनैन और इन जैसे तमाम जवानों का शुक्रिया अदा करते हैं और लोगों से अपील करते हैं वो आये और अपना प्लाज्मा डोनेट करे।

मधुबनी हलचल

कवर नाले के साथ पक्की सड़क बनवाने को लेकर विस्तार से चर्चा किया गया

संवाददाता/मो सालिम आजाद

मधुबनी। मधुबनी नगर परिषद वार्ड नंबर 22 और 28 मैं जल जमाव, नाला निर्माण एवम सड़क निर्माण को लेकर पिछले कई वर्षों से जो गंभीर समस्याएं वार्ड के जनता उठा रही है और जो सरकार और सिस्टम के भ्रष्टाचार के बलि चढ़ा हुआ है अब इसको लेकर वार्ड नंबर 22 और 28 के युवा जागरूकता का सबूत देते हुए मधुबनी के युवा सामाजिक कार्यकर्ता और बिहार युवा सामाजिक संगठन के अध्यक्ष फहीम बकर मूसा के अध्यक्षता में आज 10/8/2020 को सैकड़ों युवा साथियो के साथ वार्ड नंबर 28 के वार्ड पार्षद खालिद अनवर और वार्ड नंबर 22 के वार्ड पार्षद खालिद अनवर की पत्नी शबनम आरा से जाकर मुलाकात किया और दोनों वार्ड के गंभीर समस्याओं पर विस्तार से चर्चा किया चर्चाओं में सभी ने अपनी अपनी बात रखी। जिस तरीके से मनहर से लेकर स्टेडियम तक नाले की समस्या, नूर गंज में रोड का समस्या, और जल निकासी के लिए नाले जो गोदाम के रास्ते में जिस तरीके से चचरी या दूसरे चीजों के माध्यम से लोग घर तक पहुंचने के लिए मजबूर हैं उसी मजबूरी को जल्द दूर करना, इसी तरीके से आये दिन वार्ड 22 के मंगल पोखर से लेकर गनी मस्जिद तक रोड में राहगीरों को बहुत कठिनाई का सामना करना परता है उसी परेशानी को दूर करने के लिए कवर नाले के साथ पक्की सड़क जल्द से जल्द बनवाने को लेकर

विस्तार से चर्चा किया गया। आखिर में वार्ड पार्षद ने एक सकारात्मक विचार करके आश्वासन दिया के बहुत जल्द इन सब समस्याओं का हल जनताओं के लिए और नाला निर्माण और सड़क निर्माण का कार्य शुरू किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि हमने दोनों वार्ड के समस्याओं को इसी तरीके से थाना मोर से लेकर दुर्गा स्थान के रोड और नाले की समस्या को लेकर कई मर्तबा पूर्व के नगर परिषद चेयरमैन और एग्जीक्यूटिव साहेब एवं वर्तमान के चेयरमैन और एग्जीक्यूटिव साहेब से बातचीत की लेकिन जब समस्या का हल नहीं निकला तो हमने जिला के आला अधिकारियों से भी बातचीत की लेकिन सब ने कोई ना कोई बहाना लगा कर इस कार्य को नहीं होने दिया। उन्होंने अफसोस करते हुए यह बताया कि हम बहुत दुखी है इस चीज को लेकर के नगर में विकास का काम नहीं हो रहा है क्यूंकि खालिद अनवर पूर्व चेयरमैन भी रह चुके हैं तब उन्होंने कहा कि हम अपने चेयरमैन रहते हुए भी बहुत सारे काम को किया और बहुत सारा काम जो किसी वजह से नहीं हो सका उसके लिए हम लगातार कोशिश में लगे रहे खास करके थाना मोर से लेकर दुर्गा स्थान के सड़क और नाले की समस्या को लेकर हम हमेशा गंभीर रहे लेकिन आला अधिकारियों की तरफ से यह कहा गया यह नगर परिषद के अंतर्गत नहीं आता है इसलिए इस कार्य को विशेष तौर पर बिहार सरकार ही देख सकती है यह तब ही बनेगा जब बड़े बजट का हिस्सा होगा। इस बैठक में हमारे संगठन के अध्यक्ष फहीम बकर मूसा के साथ सभी सदस्य जिसमें मोहम्मद कबीर, जिकरुल्लाह, मोहम्मद आसिम, अकील अहमद, नदीम अहमद, ताहिर अंसारी, मोहम्मद हुसैन, शौकीन आकिब अंसारी, आदिल अंसारी, राशिद खलील, शाहनवाज आलम, गोलू, इनायतुल्लाह, मोहम्मद आबिद, मोहम्मद गुलाब, और भी वार्ड के बहुत सारे युवा उपस्थित थे।

'लफ्ज जिनसे दी थी' राहत'

पहली बार 1993 में 'सर' के लिए राहत इंदौरी ने लिखा था- आज हमने दिल का हर किस्सा तमाम कर दिया

आखिरी बार 'बेगम जान' के लिए गाना लिखा

मशहूर शायर राहत इंदौरी का 70 साल की उम्र में कोरोना के कारण निधन हो गया। राहत के लिखे गीतों और नज्मों ने न सिर्फ मंचों पर शोहरत हासिल की, बल्कि फिल्मों में भी उनके लिखे गीतों ने अलग ही मुकाम बनाया। 1992 में आई जानम फिल्म में राहत साहब का लिखा एक गीत था- दिल जिगर के जान अच्छा है, इसके बाद 1993 में रिलीज हुई सर के लिए लिखा था- आज हमने दिल का हर किस्सा। इन फिल्मों के बाद उन्होंने 1994 में नाराज के लिए भी गीत लिखे।

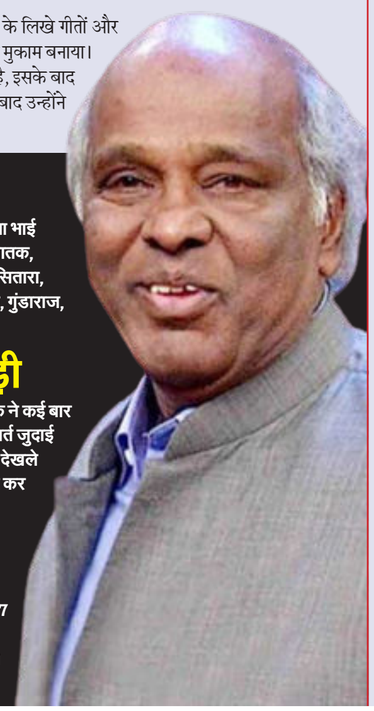

इन फिल्मों के लिए लिखे थे गीत

गीतकार के रूप में राहत इंदौरी ने कई फिल्मों के लिए गीत लिखे। जिनमें सबसे खास मुन्ना भाई एमबीबीएस, मीनाक्षी, जानम, सर, खुद्दार, नाराज, मर्डर, मिशन कश्मीर, करीब, बेगम जान, घातक, इश्क, आशियां और मैं तेरा आशिक, दरार, गली गली में चोर है, हमेशा, द जेंटजलमेन, पहला सितारा, जुर्म, हनन, इंतेहा, प्रेम अगन, हिमालयपुत्र, पैशन, दिल कितना नादान है, वैपन, बेकाबू, याराना, गुंडाराज, नाजायज, टक्कर, मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी और तमन्ना, जैसी फिल्में शामिल हैं।

अनु मलिक के साथ हिट रही जोड़ी

गीतकार-संगीतकार के रूप में राहत साहब के गीतों को सुरों में पिरोने का काम अनु मलिक ने कई बार किया। यह जोड़ी 'नींद चुराई मेरी किसने ओ सनम' और 'चोरी चोरी जब नजरें मिलीं, पहली शर्त जुदाई है इश्क बड़ा हरजाई है, तुमसा कोई प्यारा कोई मासूम नहीं है, दिल को हजार बार रोका टोका, देखले आंखों में आंखें डाल, देखो देखो जानम हम दिल अपना, कोई जाए तो ले आए गीतों को कंपोज कर चुकी है।

टीवी शो में भी पहुंचे थे राहत साहब

पिछले 45 सालों से भी ज्यादा वक्त से राहत साहब मुशायरों की जान हुआ करते थे। मंचों और बड़े पर्दे के लिए गीत लिखने के बाद वे द कपिल शर्मा शो पर भी पहुंचे। पहली बार वे 2017 में शो पर कुमार विश्वास और शबीना अदीब के साथ गए थे। वहीं दूसरी बार अशोक चक्रधर के साथ जुलाई 2019 में पहुंचे थे। वे सब टीवी के शो वाह वाह क्या बात है में भी बतौर मेहमान पहुंचे थे।

पचास या सौ बरस तक कोई उम्मीद नहीं कि राहत जैसा कोई आदमी उर्दू स्टेज पर आएगा

हमें राहत साहब के इंतकाल के बारे में पता चला। राहत साहब हमारे दुख-सुख के साथी थे। हम भी ये कहते थे कि स्टेज पर हमारा सिर्फ एक ही दोस्त है- राहत। उन्हें भी यह फख्र रहता था कि हमारा भी एक ही दोस्त है जो, स्टेज पर है और वो है मुनव्वर राना। राहत के साथ बहुत अच्छा वक्त बीता। राहत हमारी बात मानते भी थे। वे हमसे उम्र में बड़े थे, लेकिन हमेशा मेरा लिहाज करते थे। बहुत अदब से पेश आते थे।

हमारे सामने शराब नहीं पीते थे राहत...

मुशायरे के दौरान अगर कभी हम होटल में उनके रूम में पहुंच भी गए, तो वह गिलास नीचे रख दिया करते थे। आखिरी दिनों में जब वह बहुत बीमार पड़े तो उन्होंने शराब छोड़ दी। हमने उन्हें कहा था- बेटे को साथ लेकर चला करो। अकेले मत जाया करो। दोस्त अहबाब तुम्हें शराब पिला देते हैं। फिर 5-6 बरस से यह हुआ कि राहत अकेले नहीं जाते थे। बेटे को साथ ले जाते थे। उस वक्त काफी सहारा मिला उन्हें। तबीयत भी कुछ सही हो गयी। दवाएं लेने के मामले में बड़े लापरवाह किस्म के थे। लेकिन, बेटा साथ रहता था तो वह वक्त पर दवा का ख्याल रखता।

राहत साहब हिंदुस्तानी होने पर ताउम्र फिदा रहे और गजब के फिदा रहे, वे हिन्दी-उर्दू साहित्य के बीच के सबसे मजबूत पुल थे

जाने-माने कवि कुमार विश्वास ने राहत इंदौरी साहब को कुछ यूं याद किया....राहत इंदौरी जी का जाना एक कलंदर का जाना है। सैकड़ों यात्राओं, मंच और नेपथ्य के साथ में मैंने उनमें एक बेखौफ फकीर देखा था, उस परम्परा का, जो कबीर से चल कर बाबा नागार्जुन तक पहुंचती है। राहत भाई हिन्दी-उर्दू साहित्य के बीच के सबसे मजबूत पुल थे। मेरी याददाश्त में मैंने किसी शायर को मकबूलियत के इस उरूज पर नहीं देखा था, जितना उन्हें। उनके अंदर की हिन्दुस्तानियत का ये जादू था कि हिन्दी कवि-सम्मेलनों में भी उन्हें वही मुकाम हासिल था, जो उर्दू मुशायरों में था। राहत भाई मुंहफट होने, इन्दौरी होने, शायर होने और इन सबसे बढ़कर हिंदुस्तानी होने पर ताउम्र फिदा रहे, और गजब के फिदा रहे। पिछले बीस सालों में शायद ही उनके किसी हमसफर को उनके सफर का इतना साथ मिला हो, जितना मुझे। दुनियाभर की यात्राओं में जिस नजाकत भरे लेकिन मजबूत तरीके से वे हिन्दुस्तानियत को थाम कर चलते थे, उनकी शायरी में, अदायगी में और चेहरे पर इसकी हनक देखते ही बनती थी। कई मुल्कों के खचाखच भरे ऑडिटोरियम की कशमकश भरी वे रातें मेरी आंखों को मुंहजबानी याद हैं, जहां अपने जुमलों और शेरों में महकती हिन्दुस्तानियत की खुशबू पर आपत्ति उठाने वाले लोगों से राहत भाई अपने तेवर, फिलवदी जुमलों और कहकहों के हथियार लेकर एकदम भिड़ जाते थे। बहरीन की एक महफिल में, जहां हिन्दुस्तान और पाकिस्तान दोनों के श्रोता लगभग बराबर संख्या में मौजूद थे, वहां खूब देर तक तालियों के शोर के बीच सुने जा रहे राहत भाई ने जब अपनी एक गजल का मतला पढ़ा कि मैं जब मर जाऊँ तो मेरी अलग पहचान लिख देना// लहू से मेरी पेशानी पे हिन्दुस्तान लिख देना, तो महफिल के एक खास हिस्से से एक चुभता हुआ सा जुमला उठा - राहत भाई, कम से कम गजल को तो मुल्क के रिश्ते से बाहर रखिये। जुमले के समर्थन में छिटपुट तालियों और विरोध में जनता के फिकरे और ज्यादा तालियों के शोर के बीच परिस्थिति की कमान को अपने हाथ में लेने की कोशिश करते मुझे खामोश होने का इशारा किया और अपने मशहूर अंदाज में माइक को थाम कर कहा कि 'हिंदुस्तान के एक अलग हुए टुकड़े के बिछड़े हुए भाई, जरा ये शेर भी सुनो- ए जमीं, इक रोज तेरी खाक में खो जायेंगे, सो जायेंगे// मर के भी, रिश्ता नहीं टूटेगा हिंदुस्तान से, ईमान से। असली खिलाड़ी वो नहीं होता जिसे खेलना आता है, बल्कि वो होता है, जिसे मैदान की समझ होती है। उन्हें पता होता था कि किस महफिल में कौन से अशआर पढ़ने हैं।

वेक्टर इंफोर्मेटिक्स इंडिया ने कोरोना टेस्टिंग में मुंबई के निम्न आय वर्ग के नागरिकों और जरूरतमंदों की मदद की

मुंबई। वेक्टर इंफोर्मेटिक्स इंडिया दुनिया भर में फैली महामारी के दौरान सामाजिक जोखिम को कम करने के प्रयास कर रही है। समाजसेवा के कार्यों में सक्रिय योगदान और मुश्किल समय में लोगों की सहायता कर वेक्टर इंफोर्मेटिक्स इंडिया समाज में व्यापक भूमिका निभाती रही है। अब वेक्टर इंफोर्मेटिक्स जीएमबीएच की 100 फीसदी सहायक कंपनी वेक्टर इंफोर्मेटिक्स इंडिया ने अपने इन्हीं मूल्यों को बरकरार रखते हुए पुणे और मुंबई में रहने वाले निम्न आय वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की कोरोना टेस्टिंग के लिए 55 लाख रुपये के योगदान और निवेश की पहल की है। वेक्टर इंडिया ने कोरोना टेस्टिंग में जरूरतमंदों की मदद करने के लिए बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) द्वारा चिन्हित की गई प्रयोगशालाओं में होगी। मुंबई में वेक्टर इंडिया ने स्वैच्छिक समाजसेवी संगठन बी ह्यूमन फाउंडेशन के साथ मिलकर यह पहल की है। कंपनी ने विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के सैंपल इकट्ठे करने के लिए मोबाइल वाहन तैनात किये हैं, जिससे कम आय वर्ग के लोगों और जरूरतमंदों तक कंपनी की पहुंच बढ़ी है। वेक्टर इंफोर्मेटिक्स इंडिया में मार्केटिंग और

कम्युनिकेशन के हेड पुष्कर सोनार ने कहा, वेक्टर अपने कारोबारी फैसलों में सामाजिक मुद्दों को शामिल करता है। हमने हमेशा अपनी विभिन्न पहलों से समाज की भलाई और जरूरतों को पूरा करने में योगदान दिया है। संकट की इस अभूतपूर्व घड़ी में हमने पुणे और मुंबई में उन वर्गों की मदद करने का फैसला किया है जिन्हें इन सुविधाओं की अधिक आवश्यकता है। ज्यादा से ज्यादा लोगों की कोरोना जांच और बीमारी के लक्षणों की पहचान हमारी कोशिशों से संभव है। इन लोगों को जरूरी चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता से इस वायरस को और तेजी से फैलने से रोका जा सकता है। वेक्टर इंफोर्मेटिक्स इंडिया में एचआर हेड मुग्धा वर्तक ने कहा, यह मुंबई और पुणे के कम आय वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की कोरोना टेस्टिंग में आर्थिक रूप से मदद करने का हमारा प्रयास है। यह लोग कोरोना का टेस्ट कराने का आर्थिक बोझ उठा नहीं सकते। कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में इस महामारी को और तेजी से फैलने से रोकने के लिए ज्यादा से ज्यादा लोगों का टेस्ट बहुत जरूरी है। हम आने वाले महीने में इस पहल का विस्तार बेंगलुरु में करने की योजना बना रहे हैं। वेक्टर इंडिया की कॉरपोरेट सोशल रिसपॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) कमिटी ने पुणे की कृष्णा डायग्नोस्टिक्स और मुंबई की बी ह्यूमन फाउंडेशन के साथ मिलकर इस प्रोजेक्ट की योजना बनाई है। वेक्टर इंडिया के कर्मचारियों ने देश के विभिन्न भागों में मुसीबत में फंसे लोगों की मदद करने के लिए व्यक्तिगत स्तर पर भी प्रयास किया है। गरीबों को भोजन मुहैया कराने के लिए व्यक्तिगत इच्छा और प्रेरणा से वह आगे आए हैं। इसके अलावा उन्होंने इस महामारी से प्रभावित लोगों की मदद कर रही विभिन्न गैर लाभकारी (नॉन प्रॉफिट) फाउंडेशंस को भी अपना सहयोग दिया है।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

बेटियों को भी पिता की संपत्ति में बराबरी का हक, भले ही 2005 में नया कानून अमल में आने से पहले पिता की मौत हो चुकी हो

संवाददाता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बेटियों के हक में बड़ा फैसला सुनाया है। आदेश के मुताबिक, अब पिता की संपत्ति में बेटी भी बराबर की हिस्सेदार होगी। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि 2005 में हिंदू उत्तराधिकार (संशोधन) कानून आने से पहले पिता की मौत क्यों न हो गई हो, इसके बावजूद बेटी बराबरी की हकदार होगी। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अरुण मिश्रा ने फैसले में कहा, बेटियों को भी बेटों के जैसे बराबरी का हक मिलना चाहिए। बेटी ताउम्र प्यारी बेटी होती है। बेटी हमेशा सह-भागीदार बनी रहेगी, चाहे उसके पिता जिंदा हों या नहीं। तीन जजों की बेंच ने मामले में कई याचिकाओं पर सुनवाई की थी। पिटीशन में कहा गया था कि संशोधित कानून में बेटियों को उत्तराधिकार में समान अधिकार है या नहीं।

हिंदू उत्तराधिकार कानून क्या था?

हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम 1956 बनाया गया। इस

कानून द्वारा ही महिलाओं के संपत्ति के अधिकार यानी संयुक्त हिंदू परिवार में विरासत के अधिकार को मान्यता दी गई। हालांकि, तब भी बेटी को सहदायक (कोपार्सनर) का दर्जा नहीं दिया गया था।

2005 में क्या बदलाव हुआ?

2005 में संसद ने हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम 1956 की धारा 6 में संशोधन किया। बेटियों को एक बेटे के साथ एक सहदायक (कोपार्सनर) के रूप में मान्यता दी। इसके जरिए महिला को संविधान के अनुसार समान दर्जा दिया गया था। यह हिंदू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम 9 सितंबर 2005 को लागू हुआ। संसद ने माना कि बेटियों को कोपार्सनरी नहीं बनाने से उनके साथ भेदभाव हो रहा है।

कोपार्सनर पर क्यों विवाद था?

मिताक्षरा पद्धति में महिला कोपार्सनर (सहदायक) नहीं हो सकती। यहां तक कि एक पत्नी, पति की संपत्ति के रख-रखाव की हकदार है, पर वह अपने पति की कोपार्सनर नहीं है। एक मां अपने बेटे के संबंध में कोपार्सनर नहीं है। इसलिए, संयुक्त परिवार की संपत्ति में एक महिला को पूरा हक नहीं था।

पैतृक संपत्ति के उत्तराधिकार पर दो पद्धतियां:

भारत में हिंदू कानून की दो पद्धतियां हैं, मिताक्षरा और दायभाग। दायभाग देश के सीमित तो मिताक्षरा ज्यादातर हिस्से में है। दोनों के बीच मुख्य अंतर उत्तराधिकार और संयुक्त परिवार प्रणाली को लेकर है। मिताक्षरा, संपत्ति के सौंपे जाने के दो तरीकों उत्तरजीविता और उत्तराधिकार को मान्यता देती है। उत्तरजीविता का नियम संयुक्त परिवार की संपत्ति पर लागू होता है और उत्तराधिकार के नियम मृतक के पूर्ण स्वामित्व वाली अलग संपत्ति पर लागू होते हैं। दायभाग पद्धति केवल एक तरीके उत्तराधिकार को मान्यता देती है।

जलमीनार एवं नलजल की गड़बड़ी दूर नहीं तो 25 अगस्त से आमरण अनशन

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। प्रखण्ड के शाहपुर बधौनी पंचायत में जलमिनार का जर्जर मोटर बदलकर हाई पावर का सबमरसिबल लगाने, खराब पुराने पाइप को बदलने, जलमिनार से नलजल योजना को अलग रखने आदि की मांग विभाग यथाशीघ्र पूरा करे अन्यथा आमजनों के साथ इनौस 25 अगस्त से जलमिनार के पास आमरण अनशन आंदोलन शुरू करेगी। इस आशय का निर्णय मंगलवार को मदरसा पर आहूत बधौनीवासी एवं इनौस की संयुक्त बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता पंचायत समिति सदस्य नौशाद तौहीदी एवं संचालन उपमुखिया मो० शहजादे ने की। ब्रहमदेव प्रसाद सिंह, पूर्व मुखिया मो० अशफाक, राजन कुमार, मो० साबीर, मो० नुरूद्दीन उर्फ गोरे, मो० नुरूज्जोहा आफो, मो० फैयाज, संजय कुमार, मो० मुर्तजा, मो० अशकार, मो० गजनफर शकील समेत दर्जनों गणमान्य लोगों ने बैठक में उपस्थित होकर अपने-अपने विचार व्यक्त किये। बतौर अतिथि बैठक को संबोधित करते हुए सुरेन्द्र प्रसाद सिंह ने कहा कि शाहपुर बधौनी में पुराने जलमिनार का कई जगह पाईन लाईन टेढ़ा-मेढ़ा है। मिनार का मोटर जर्जर है। लगातार खराब रहता है। लोग सामाजिक सहयोग से इसे रिपेयर कराकर कुछ जगहों पर जलापूर्ति करते हैं जबकी जलमिनार ठेकेदार के मेंटेनेंस के अधीन है। कुछ पंचायतों में नलजल का काम शुरू हुआ है। पैसा बचाने के उद्देश्य से पीएचडी नलजल में नये मुख्य पाईप देने के बजाये जलमिनार के पाईप में जोड़ा जा रहा है। विभाग के ठेकेदार के इस गड़बड़ी को इनौस बर्दाश्त नहीं करेगी। विभाग यदि ठोस कारबाई कर समस्या का समाधान नहीं कराती है तो शाहपुर बधौनी जलमिनार के पास पंचायत समिति सदस्य नौशाद तौहीदी एवं इनौस जिला सचिव आशिफ होदा के नेतृत्व में अनिश्चितकालीन आमरण अनशन आंदोलन शुरू किया जाएगा।

बुलढाणा हलचल

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे द्वारा बुलढाणा में कोविड अस्पताल का ऑनलाइन उद्घाटन

बुलढाणा। कोरोना ने हमारे जीवन को देखने का तरीका बदल दिया है। लगभग सभी कार्यों में ऑनलाइन तकनीक का उपयोग किया गया है।ऐसे में राज्य में सभी कार्यों में स्वास्थ्य सुविधाओं का निर्माण और मजबूती राज्य सरकार की प्राथमिकता हैयह बात मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने आज बुलदाना के कोविद समर्पित अस्पताल के ऑनलाइन उद्घाटन समारोह में कही।स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत बनाने और निर्माण करते समय प्रशिक्षित चिकित्सा जनशक्ति बनाना आवश्यक है और इसके लिए हम तुरंत बुलडाणा में सरकारी मेडिकल कॉलेज के प्रस्ताव को मंजूरी देंगे। ऐसा आश्वासन मुख्यमंत्री ठाकरे ईन्होने दीया। बुलडाना में कोविड समर्पित अस्पताल का उद्घाटन और देउलगांव राजा में कोविद स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन यह ठाकरे द्वारा

ऑनलाइन किया गया। इस अवसर पर पालक मंत्री डॉ. राजेंद्र शिंगने, जि.प अध्यक्ष मनीषताई पवार, सांसद प्रतापराव जाधव, विधायक डॉ. संजय रायमुलकर, संजय गायकवाड़, राजेश एकडे, दे. राजा मेयर सुनीताताई शिंदे, बुलदाना क्रूबास के अध्यक्ष जलिंधर बुधावत, कलेक्टर शनमुखराजन एस, जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. दिलीप पाटिल-भुजबल, जिला सर्जन डॉ. प्रेमचंद पंडित, मो. सज्जाद आदि इस अवसर पर उपस्थित थे। उसके बाद, मुख्यमंत्री द्वारा ई-लोकापर्ण किया गया और उपलब्ध वीडियो में दोनों रूपों को दिखाया गया। उनके मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री श्री. ठाकरे ने कहा कि प्रौद्योगिकी के कारण, हर कोई अपने स्थान से कार्यक्रम में भाग ले रहा है, यह प्रौद्योगिकी के कारण हैतकनीक के कारण। कोरोना ने जीवन के बारे में अपना दृष्टिकोण बदल दिया। एक ओर, दैनिक कार्य जारी रखना आवश्यक है।दूसरी ओर, लोगों के जीवन को बचाना बहुत महत्वपूर्ण है। यह बहुत महत्वपूर्ण कार्य केवल सभी की भागीदारी से किया जा सकता हैहम सभी की भागीदारी से ही इस 'गोवर्धन' को उठा सकते हैं। ऐसी गतिविधियों में भाग लेने के लिए श्री टाटा ग्रुप।का मुख्यमंत्री ठाकरे ने धन्यवाद दिया।

छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा हटाने पर मुस्लिम युवकों ने कर्नाटक सरकार का निषेध करके आंदोलन किया

बुलढाणा। कर्नाटक सरकार में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा हटाने से चारों ओर नाराजगी व्यक्त की जा रही है। कर्नाटक सरकार की इस कृत्य से जिले भर में आंदोलन करके निषेध व्यक्त किया जा रहा है इसी के चलते जिले के तहसील संग्रामपुर में मुस्लिम युवकों ने इस घटना का निषेध करके आंदोलन किया संग्रामपुर की स्थानीय मुस्लिम युवकों ने छत्रपति शिवाजी महाराज का जय घोष करके कर्नाटक सरकार को प्रतिमा की तुरंत पूर्ण स्थापित करने की मांग की है और साथी छत्रपति की प्रतिमा जहां थी वहां नहीं बिठाई गई तो तिव्र आंदोलन करने की चेतावनी मुस्लिम युवकों ने दी है। 7 अगस्त की रात महाराष्ट्र कर्नाटक की सीमा पर मनगुट्टी गांव में छत्रपति शिवराय की प्रतिमा हटाने पर शिव भक्तों ने नाराजगी देखने को मिली इसके निषेध में मुस्लिम युवकों हिस्सा लिया. बेलगांव जिले के मनुत्ती गांव में छत्रपति शिवराय की प्रतिमा पूर्ण कुर्ती बढ़ाई गई थी लेकिन प्रतिमा हटाने के लिए पुलिस प्रशासन ने दबाव बनाया था मनगुत्ति गांव के नागरिक रास्तों पर उतरे तब जाकर प्रशासन का दबाव कम हुआ और शिवाजी महाराज का प्रतिमा बिठाने में आई लेकिन हाल ही में यह प्रतिमा कर्नाटक सरकार ने हटाई है सरकार के आदेश के अनुसार रातों-रात पुलिस बंदोबस्त में शिवाजी महाराज की प्रतिमा हटाई गई इस घटना के चलते महाराष्ट्र कर्नाटक सीमा के शिव भक्तों में नाराजगी की लहर छाने से मुस्लिम युवक रास्तों पर उतरकर आंदोलन कर रहे हैं।

दीवार के मलबे में दब कर मां और बेटी की दर्दनाक मौत

बुलढाणा। तालुका में पिंपलगांव सराय के पास हाजी हजरत अब्दुल रहमान उर्फ सैलानी बाबा की दरगाह है। सैलानी बाबा देश भर के सभी धर्मों के लाखों जायरिन यहा आते है। कई लोग यहां इलाज के लिए घर किराए पर लेकर रहते हैं। सोमवार रात को हुई भारी बारिश के कारण, सांडु खान जिन्नत खान ईनकी खोली मे किराए से रह रहे घर पर साइड की दीवार गीर गई जिस्के के मलबे मे दबकर मा और बेटी की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान 55 वर्षीय सुगंधबाई काजले के रूप में हुई थी। बेटी कु ललिता काजले की आयु 18 वर्ष, दोनों रा बुटी खंडवा, जिला खंडवा, मध्य प्रदेश के निवासी बताये गये। वह पिछले कुछ दिनों से इलाज के लिए सैलानी आए थे। जैसे ही पुलिस को घटना की जानकारी मिली, सैलानी बीट जमादार यशवंत तायडे मौके पर पहुंचे और दोनों शवों का पंचनामा कर के पोस्टमार्टम के लिए बुलढाणा जिला सामान्य अस्पताल भेजा गाय। मामले में रायपुर पुलिस स्टेशन में एक आकस्मिक मौत दर्ज की गई है।

रामपुर हलचल

आंध्र प्रदेश के कोविड सेंटर में लापरवाही के चलते लगी आग

टाण्डा (रामपुर)। जमीयत उलेमा हिन्द के जिला अध्यक्ष एवं पूर्व पालिका अध्यक्ष महमूदुज्जफर रहमानी के आवास मोहल्ला भब्बलपुरी में एक बैठक का आयोजन कर कहा कि आन्ध्र प्रदेश के कोविड सेन्टर पर रविवार के तड़के किस लापरवाही के चलते आग लगी है। आग लगने के कारण 10 मरीजो की मौत हो गई तथा 20 मरीजो को सुरक्षित बचा लिया गया गुजरात में भी पिछले सप्ताह कोविंड अस्पताल में भी आग लगने के कारण कुछ मरीज मौत का शिकार हो गये है। मरने वालो के परिवार वालो को 50-50 लाख रुपये की सहायता प्रदान किये जाने की घोषणा आन्ध्र प्रदेश सरकार द्वारा की गई है जो सराहनीय है। इससे मरने वाले परिवार के लोगो को आर्थिक लाभ मिल सकेगा घटना की प्राथमीकी भी दर्ज कर ली गई है जाच एवं खुलासा होने पर लापरवाही बरतने वालो के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जाय मरीजो ने आग लगने के दोरान अपनी अपनी जानो को बचाने के काफी प्रयास किये गये भयकरता के चलते अपनी जान नहीं बचा सके मौत का शिकार हुए मरीजो के लिए दो मिनट का मोन धारण कर शोक व्यक्त किया गया बैठक में महमूदुज्जफर रहमानी मोलाना लियाकत अली. मोलाना जहीरुल इस्लाम, मोलाना सुलेमान, मोलाना इरफान, मौलाना शोकत अली आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट गौरव कुमार का स्थानांतरण आजमगढ़ को कर दिया गया

टाण्डा (रामपुर)। ज्वाइट मजिस्ट्रेट गोरव कुमार का स्थानान्तरण आजमगढ़ को कर दिया गया है उनके स्थान पर उपजिलाधिकारी यमुनाधर चोहान को तहसील टांडा में तेनाती की गई है ज्वाइट मजिस्ट्रेट गोरव कुमार ने कोविड 19 लाकडाउन के चलते कोविड 19 के नियमो को लेकर नगर व क्षेत्रीय जनता के साथ उल्लघन करने वालो से जुर्माना वसूला तथा बेरहमी के साथ उनको मारा पीटा गया तथा उल्लघन करने वालो को मास्क आदि काफी वितरण किया गया नगर व क्षेत्रीय जनता उनके कार्य

कलापों को देख खुश नहीं थी कोविड 19 लाकडाउन के चलते मध्यम एवं कमजोर वर्ग के लोग परेशान रहे ऊपर से उपजिलाधिकारी गोरव कुमार मार पिटाई के आगे भूत भागता दिखाई दे रहा था कमाल की बात है दूसरो को नसीहत और अपने आप को फजीहत तहसील टांडा के मजिस्ट्रेट गोरव कुमार का स्थानान्तरण के दोरान उनकी तहसील की पूरी टीम ने बिना मास्क एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन न करते हुए धज्जियां उड़ाई गई है किसी के मुह पर फेस कवर आदि नहीं लगा है जबकि ऐसी स्थिति में सभी कानून उल्लघन करने वाले भागीदार है दूसरो को मास्क आदि लगाये जाने का सन्देश दिया गया और खुद ही सभी मुल्जिम बने बेठे है ऐसे में इनके विरुद्ध भी कड़ी एवं कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जानी चाहिये ऐसा नहीं किया जाता है कोविड 19 लाकडाउन को समाप्त कर देना चाहिये स्थानान्तरण विदाई पार्टी के दोरान ज्वाइट मजिस्ट्रेट गोरव कुमार अधिशासी अधिकारी राजेश सिंह राणा पालिकाध्यक्ष पति मकसूद लाला सभासद शिव प्रसाद, धनीराम सैनी आदि उपस्थित रहे।

नगर के मुख्य मार्ग सहित दुकानों के आगे रखा सामान व खड़े वाहनों का चेकिंग किया गया

टाण्डा (रामपुर)। नवागत उपजिलाधिकारी यमुनाधर चोहान ने नगर के मुख्य मार्ग सहित दुकानों के आगे रखा सामान व खड़े वाहनों का चेकिंग किया बिना मास्क लगाये लोगो से जुर्माना वसूला गया। ओचक निरीक्षण को लेकर नगर के अन्दर हडकम्प मचा रहा सब्जी फल आदि बेचने वाले अपने अपने ठेले लेकर फरार हो लिये वही नगर पालिका परिषद केटल केचर का भी प्रयोग किया गया कोविड 19 का पालन कराये जाने सम्बधी लोगो को जागरूक किया गया। इस दोरान उपजिलाधिकारी यमुनाधर चोहान, कोतवाल माधो सिंह बिष्ट,तहसीलदार महेन्द्र बहादुर सिंह,एस.आई. मदन पाल सिंह, कुलदीप अन्य पुलिस कर्मियों सहित महिला कास्टेबिल भी भ्रमण के दोरान मोजूद रही।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

इन 3 फलों में छुपा है आपकी सेहत का राज, खाने से कभी नहीं होंगे बीमार

सेहतमंद रहने के लिए हर कोई अपनी डाइट से लेकर व्यायाम तक का खास ध्यान रखता है। कुछ लोग तो अच्छी सेहत को बरकरार रखने के लिए ज्यादा से ज्यादा फलों का सेवन करते हैं। फलों का सेवन आपको बीमारियों से बचाने के साथ-साथ शरीर को अंदरूनी ताकत भी देता है। ऐसे में आज हम आपको 3 ऐसे फलों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका सेवन करने से आप हमेशा हैल्दी रहेंगे। स्वस्थ रहने के लिए डॉक्टर और डाइटीशियन भी इन फलों का सेवन करने की सलाह देते हैं। अगर आप भी स्वस्थ रहना चाहते है तो रोजाना इन फलों का सेवन करें।

1. स्ट्रॉबेरी

प्रोटीन, कैलोरी, फाइबर, आयोडीन, फोलेट, ओमेगा 3, पौटाशियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, विटीमिन बी और सी के गुणों से भरपूर स्ट्रॉबेरी का सेवन आपके शरीर को बीमारियों से लड़ने की ताकत देता है। इसके अलावा इसका सेवन इम्यून सिस्टम को बढ़ाने में मदद करता है, जिससे दिनभर आपके शरीर में एनर्जी बनी रहती है। रोजाना 1 कप स्ट्रॉबेरी का सेवन आपको कई बीमारियों से दूर रखता है।

2. केला

1 केले में करीब 15 ग्राम काबोर्हाइड्रेट होता है, जोकि सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। पोटेशियम और मैग्नीशियम से भरपूर केला ब्लड प्रेशर को भी कंट्रोल करता है। फाइबर, कैल्शियम और विटामिन सी से भरपूर रोज 1 केला खाने से इंस्टेंट एनर्जी, स्वस्थ डाइजेशन और बल्ड में हीमोग्लोबिन का लेवल बढ़ता है। इसके अलावा स्वस्थ रहने के लिए आप आम, चीकू या पाइनएपल भी खा सकते हैं।

3. फाइबर युक्त फ्रूट्स

स्वस्थ रहने के लिए शरीर को सबसे ज्यादा जरूरत फाइबर की होती है। ऐसे में अपनी डाइट में ज्यादा से ज्यादा फाइबर युक्त फूट्स को शामिल करें। फाइबर युक्त फ्रूट्स जैसे- आड़ू, जामुन, सेब, नाशपाती, पपीता, तरबूज और खरबूजे आदि का सेवन आपको कई बड़ी बीमारियों से बचाता है।

4. डायबिटिक मरीज भी खाएं फल

डायबिटीज मरीजों के लिए फलों का सेवन बहुत फायदेमंद होता है आप सोचते होंगे कि फल खाने से आपकी रक्त शर्करा या ब्लड शुगर बढ़ सकती है लेकिन इन फलों में शर्करा और चीनी की मात्रा बहुत कम होती है। इसलिए आप बिना किसी डर के इन फलों का सेवन कर सकते हैं। जहां ये फल डायबिटिज मरीजों के लिए फायदेमंद। वहीं, इनका सेवन हाई ब्लड प्रेशर और हृदय रोग से भी बचाव करता है।

फंगल इंफेक्शन को मिनटों में दूर करते हैं ये 7 जादुई नुस्खे

बदलते मौसम के साथ स्किन प्रॉब्लम होने का खतरा सबसे ज्यादा होता है। गर्मी में तो धूप और प्रदूषण के कारण आपको कई त्वचा संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जिसमें से एक है फंगल इंफेक्शन। इसके कारण त्वचा की ऊपरी सतह में पपड़ी, पैरों में खुजली, नाखूनों का पीला और मोटा होना, त्वचा पर लाल चकत्ते बनना और त्वचा में खुजली, रैशेज होना जैसे लक्षण देखने को मिलते हैं। फंगल संक्रमण एंटीबॉयोटिक दवाओं के साइड इफेक्ट, कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली, डायबिटीज, प्रदूषण, धूप, ब्ल्ड सकुर्लेशन की कमी के कारण हो जाती है। कुछ लोग इस समस्या को दूर करने के लिए क्रीम या दवाओं का इस्तेमाल करते हैं लेकिन कुछ आसान से घरेलू नुस्खे अपनाकर भी इस प्रॉब्लम को दूर किया जा सकता है।

1. जैतून के पत्ते

फंगल इंफेक्शन को दूर करने के लिए जैतून के 5-6 पत्तों को पीसकर इसका पेस्ट बना लें। इसके बाद इसे इंफेक्शन वाली जगहें पर 30 मिनट के लिए लगाएं और इसके बाद धो लें। इंफेक्शन दूर होने तक इस पेस्ट लगाते रहें।

2. एलोवेरा जेल

एलोवेरा जेल का इस्तेमाल इंफेक्शन को दूर करने के साथ आपको जलन, खुजली और रैशेज से राहत भी दिलाएगा। इसके लिए आप एलोवेरा जेल को त्वचा पर रगड़ें और इसके बाद इसे 30 मिनट के लिए छोड़ दें। अब इसे गुनगुने पानी से धो लें।

3. दही

दही में एसिड होने के कारण यह हानिकारक बैक्टीरिया को मार देता है। कॉटन की मदद से दही को इंफेक्शन वाली जगह पर लगाएं और कुछदेर बाद इसे धो लें। ध्यान रहे, इंफेक्शन वाली जगह को कभी भी हाथों से न छुएं क्योंकि ये इंफेक्शन संक्रामक होता है।

4. लहसुन

एंटीफंगल गुणों से भरपूर लहसुन का इस्तेमाल आपकी इस समस्या को मिनटों में दूर कर देगा। इसके लिए लहसुन की 3-4 कलियों का पेस्ट बनाकर इंफेक्शन वाली जगह पर लगाएं। लहसुन लगाने से एक मिनट तक हल्की सी जलन हो सकती है लेकिन इससे यह इंफेक्शन धीरे-धीरे खत्म हो जाएगा।

5. हल्दी

कच्ची हल्दी को पीसकर इंफेक्शन वाली जगह पर 30 मिनट के लिए लगाएं। एंटीफंगल गुण होने के कारण यह फंगल इंफेक्शन और इससे होने वाले दाग-धब्बों को भी खत्म करती हैं।

6. सेब का सिरका

फंगल इंफेक्शन होने पर 1 कप गर्म पानी में 2 टेबलस्पून सेब का सि-रका मिलाकर पीएं। इसका सेवन आपके खून में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया को खत्म करके इस प्रॉब्लम को दूर करेगा।

7. टी ट्री ऑयल

एंटीसेप्टिक गुण होने के कारण टी ट्री ऑयल इंफेक्शन की समस्या को कुछ समय में ही दूर कर देता है। ट्री टी ऑयल, जैतून का तेल और बादाम के तेल को बराबर मात्रा में मिलाकर इंफेक्शन वाली जगह पर लगाएं। इंफेक्शन दूर होने तक रोजाना इसका इस्तेमाल करें।

रोजाना करें ये 3 योगासन नहीं झड़ेगा एक भी बाल

धूप, प्रदूषण, गलत खान-पान और मौसम में आने वाले बदलाव के कारण भी बाल झड़ने की समस्या हो जाती है। इस समस्या से निजात पाने के लिए लड़कियां कई तरह के कैमिकल युक्त प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। इससे बाल ज्यादा झड़ने लगते हैं। ऐसे में अपनी दिनचर्या में योगासन को शामिल करके बालों को झड़ने से रोका जा सकता है। तो आइए जानते हैं वह कौन से आसन हैं जो बालों को काला घना और लंबा बनाते हैं।

1. वज्रासन

बालों को झड़ने के रोकने के लिए रोजाना वज्रासन करें। इसको करने से पाचन तंत्र सही रहने के साथ ही ब्लड सकुर्लेशन भी ठीक रहता है। जब यह दोनों ठीक से काम करते हैं तो बाल झड़ने बंद हो जाते हैं। इसको करने के लिए पंजों के बल बैठ जाएं। शरीर का भार एड़ियों पर और कमर सीधी रखें। अब गहरी सांस लें। इस प्रक्रिया को कम से कम रोजना 3 मिनट के लिए करें।

2. अधोमुख श्वानासन

बाल झड़ने का दूसरा कारण होता है तनाव। इसको कम करने के लिए अधोमुख श्वानासन करें। आसन करने के लिए घुटनों के बल बैठ जाएं फिर अपने हाथों को जमीन पर रखें। अब हाथों पैरों को श आकार में फैला कर शरीर को ऊपर उठाएं। इस आसन को करते हुए रीढ़ की हड्डी को एक दम सीधी रखें। हर दिन कम से कम 1 मिनट के लिए इस आसन को करें।

3. भुजंगासन

भुजंगासन करने से भी बालों को झड़ने से रोका जा सकता है। भुजंगासन को करने के लिए पेट के बल लेट जाएं। दोनों हाथों को कंधों के बराबर रखें। अब हाथों पर जोर देते हुए शरीर को ऊपर उठाएं। कम से कम 30 सैकिंड के लिए इस पोजीशन में रहें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कैटरीना कैफ ने की 100 बॉलीवुड डांसर्स की मदद

एक्ट्रेस कैटरीना कैफ ने कोरोना काल में बॉलीवुड डांसर्स की मदद के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाया है। कैटरीना ने डांसर्स के अकाउंट में पैसे ट्रांसफर किए हैं। मालूम हो कि कोरोना वायरस की मार आम लोगों को नहीं बल्कि इंडस्ट्री को भी पड़ी है। कई कलाकार और डेली वेजेस वर्कर्स लॉकडाउन के समय से बेरोजगारी का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, पिछले कुछ दिनों से शूटिंग शुरू हो गई है, लेकिन फिर भी लोगों के पास इतना काम नहीं है, जिससे वह अपना घर चला सके। ऐसे में इंडस्ट्री के तमाम लोगों को सर्वाइव करना भी मुश्किल हो गया है। इस बीच कैटरीना ने 100 डांसर्स के बैंक खातों में सीधे पैसे ट्रांसफर कर मदद की है, जिससे वे कुछ काम शुरू कर सकें और अपनी आजीविका चला सकें। बताया जा रहा है कि कुछ डांसर ने तो इन पैसों से अपना छोटा-मोटा रोजगार शुरू कर दिया है, जैसे कुछ ने सड़क किनारे सब्जी, अंडे और स्नैक्स बेचना और कुछ ने टिफिन सर्विस शुरू कर दी है। बैकग्राउंड डांसर रह चुके राज सुरानी इस मुश्किल समय में डांसर्स को आत्मनिर्भर बनने में मदद कर रहे हैं, उन्होंने कैटरीना का आभार जताया है। उन्होंने कहा, डांसर्स ने कैटरीना द्वारा ट्रांसफर किए गए पैसों का इस्तेमल टिफिन सेवाओं, ब्यूटी सर्विसेस जैसे छोटे बिजनेस शुरू करने और घर का बना चॉकलेट बेचने के लिए किया है।

मत जाओ हमारी फिल्म देखने: करीना

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान अपने लेटेस्ट इंटरव्यू की वजह से ट्विटर यूजर्स के निशाने पर आ गई हैं। एक चैनल पर बात करते हुए करीना ने बॉलीवुड में नेपोटिज्म पर चर्चा की। इस मौके पर करीना कपूर ने कहा कि जनता ने ही नेपोटिज्म को बनाया है। आप स्टार किड्स की फिल्में देखने जा रहे हो इसलिए वे फेमस हो रहे हैं। मत जाओ। आपके ऊपर कोई इन फिल्मों को देखने का दवाब नहीं डाल रहा है। इस बयान के चलते करीना कपूर खान ट्विटर पर ट्रेंड कर रही हैं। जहां कुछ लोगों को उनकी कही बात का कोई इल्म नहीं है वहीं बाकी उन्हें जमकर ट्रोल कर रहे हैं। लोगों में इस बात का गुस्सा है कि करीना को ऐसा नहीं कहना चाहिए था। साथ ही अब यूजर्स कह रहे हैं कि वे करीना की फिल्म लाल सिंह चड्ढा को नहीं देखेंगे। कुछ यूजर्स ने करीना के इस बयान को अपनी फिल्म को प्रमोट करने का तरीका तक बता दिया है। ऐसा नहीं है कि सभी लोग करीना कपूर खान को बुरा कह रहे हैं। मीम्स उनके नाम पर मजे लेने से भी नहीं रुक रहे।

...इंप्रेस सोनम कपूर

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर अपने बेबाक विचारों को लोगों के सामने रखने में कभी संकोच नहीं करती। चाहे वो सोशल मीडिया हो या फिर फिल्म, सोनम कई बोल्ड मुद्दों पर काम करने या बोलने से पीछे नहीं हटती। हाल ही में उन्होंने ऐसी ही बेबाकी का परिचय देते हुए एक कंपनी द्वारा महिला कर्मचारियों के लिए लॉन्च पीरियड लीव की तारीफ की है। सोनम ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर उस फूड ऐप की पहल को सराहा है। उन्होंने लिखा- कभी ना होने से बेहतर देर से होना है। दरअसल, जोमाटो के फूड ऐप ने अपनी महिला कर्मचारियों के लिए इस पीरियड लीव को शुरू किया है। उनकी इस पहल से सोनम काफी खुश और इंप्रेस हैं। सोनम पहले भी सोशल मीडिया के जरिए तारीफ करने या शिकायत करते हुए नजर आ चुकी हैं। पिछले दिनों बहन रिया कपूर ने जब इंस्टाग्राम को लेकर एक शिकायत की थी तो सोनम ने भी इस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के नियमों पर उंगली उठाई थी। बात करें फूड एप जोमैटे के चीफ एग्जीक्यूटिव दीपिंदर गोयल ने शनिवार को मेल के जरिए अपने कर्मचारियों को इसकी जानकारी दी। इस लीव के तहत महिला कर्मचारी साल में 10 दिन का पीरियड लीव ले सकती हैं।